पाठ 13. मोको कहाँ ढूँढ़े

कविता का उद्देश्य

प्रस्तुत कविता का उद्देश्य बच्चों को समाज में फैले बाह्य आडंबरों से अवगत कराते हुए परोपकार और नि:स्वार्थ मानव-सेवा द्वारा सच्ची ईश्वर प्राप्ति के मार्ग पर ले जाना है। कबीर जी अपनी साखियों द्वारा बच्चों को सद्मार्ग पर चलने की प्रेरणा दे रहे हैं।

कविता का सारांश

मनुष्य भगवान को मंदिर-मस्जिद में ढूँढ़ता रहता है पर कभी भी अपने अंदर झाँककर नहीं देखता। ईश्वर किसी तीर्थस्थल में नहीं बसते अपितु वे तो सृष्टि के कण-कण में विराजमान हैं। संत कबीर बाह्य आडंबर करने वालों पर कटाक्ष करते हुए कहते हैं कि ईश्वर तो सबकी साँस में बसे हैं। भगवान को ढूँढ़ने के लिए कहीं दूर जाने की ज़रूरत नहीं है। बिना किसी स्वार्थ के मानव-सेवा करो तो ईश्वर प्राप्ति हो जाएगी। ईश्वर तो आपके विश्वास में बसते हैं। बस ज़रूरत है सच्चे मन से अपना कर्म करने की।

अध्यापन संकेत

कबीर की साखियों का सस्वर वाचन करें। बच्चों को मौन वाचन करने के लिए कहें। कबीर जी की निर्गुण भक्तिधारा के बारे में बच्चों को बताएँ। बताएँ कि कबीर जी ईश्वर के निर्गुण रूप की उपासना करते हैं। कबीर के राम दशरथ पुत्र राजा राम नहीं हैं बल्कि उनके राम वह राम नाम रूपी विश्वास है जो प्रत्येक जीवात्मा में बसते हैं। साखियों की पंक्तियों का अर्थ स्पष्ट करें।

ना मैं जप .... श्वास में।– इन पंक्तियों का अर्थ है कि ईश्वर जप-तप, व्रत-उपवास आदि करने से नहीं मिलता। न ही उसे योगी-संन्यासी बनकर पाया जा सकता है। वह न तो ग्रह-नक्षत्रों में रहता है और न किसी गुफ़ा या आकाश में रहता है। यदि उसे ढूँढ़ना ही चाहते हो, उससे साक्षात्कार करना चाहते हो तो उसे अपने अंदर ढूँढ़ो। वह तो प्रत्येक मानव के हृदय में वास करता है।

खोजि होय .... विश्वास में – इन पंक्तियों में कबीर जी कहना चाहते हैं कि यदि तुम ईश्वर को ढूँढ़ना चाहते हो तो वह तुम्हें एक क्षण में ही मिल जाएगा। उसके लिए तुम्हें यहाँ-वहाँ घूमने-फिरने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी क्योंकि उसे ढूँढ़ने के लिए केवल विश्वास की आवश्यकता होती है। ईश्वर केवल विश्वास में ही निवास करता है।

पाठ से संबंधित कुछ विशेष बातों पर बच्चों से विचार-विमर्श करें –

- यदि ईश्वर केवल आस्था-विश्वास में बसता है तो लोग मंदिर क्यों जाते हैं, पूजा-व्रत क्यों करते हैं?
- यदि ईश्वर प्रत्येक व्यक्ति के अंदर समाया हुआ है तो फिर लोग अपराध कैसे कर सकते हैं!

डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से कविता की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर कविता के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए।